भाकृअनुप- भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ- 226002

"आत्मनिर्भर भारत और विज्ञानः गाँधी जयंती पर पुनरावलोकन" पर वेबिनार का आयोजन

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150 वीं जयंती के वर्ष भर समारोह के समापन अवसर पर भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में दिनाँक 01 अक्टूबर, 2020 को "आत्मनिर्भर भारत और विज्ञानः गाँधी जयंती पर पुनरावलोकन" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मुख्य अतिथि तथा मुख्य वक्ता डॉ. मनोज कुमार पटैरिया, प्रमुख-राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष संस्थान के निदेशक डॉ. अश्विनी दत्त पाठक तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अजय कुमार साह, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान थे।

वेबिनार विषय की प्रासंगिकता का परिचय देते हुए संयोजक डॉ. अजय कुमार साह ने गाँधी दर्शन के मुख्य बिन्दुओं जैसेः स्वच्छता, अस्पृश्यता, सत्याग्रह, अहिंसा, धर्म, शिक्षा तथा स्वराज को आज के समय में अधिक प्रासंगिक तथा टिकाऊ विकास का आधार बताया। स्वराज का मूल आत्मशासन तथा आत्मसंयम है जिसका उद्देश्य गाँवों को स्वावलंबी तथा आत्मनिर्भर बनाना है।

मुख्य अतिथि डॉ. पटैरिया ने स्वदेशी विज्ञान को आत्मनिर्भर भारत बनाने में मुख्य आधार बताया। उन्होन्ने कहा कि स्वदेशी विज्ञान गाँधी जी के चिंतन का केन्द्र बिन्दु है। वैसे तो भारत पूरे विश्व में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर है लेकिन 95% प्रेशीजन टेक्नॉलॉजी भारत में विदेशों से आयात की जाती है। इस स्थिति को बदलने की जरूरत है। सरस्वती यानि ज्ञान एवं विज्ञान में तो हम बहुत आगे हैं लेकिन उसको लक्ष्मी यानि तकनीकी उत्पाद या प्रयोगात्मक रूप में लाने में पिछड़े हुए हैं। इसलिए आज आवश्यकता सरस्वती को लक्ष्मी में परिवर्तित करने की है। हम सभी का मौलिक कर्तव्य है कि वैज्ञानिक भावना का विकास तेजी से करें। आज देश ब्रेन ड्रेन से ब्रेन गेन की ओर अग्रसर हो रहा है और विदेशों से भारतीय स्वदेश वापस आ रहे हैं। स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, अटल नवोन्मेषी योजना जैसे कार्यक्रम से ये सभी ब्रेन गेन जुड़ रहे हैं। यह एक आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सकारात्मक संदेश है। अब हमें लैंड-टू-लैब कार्यक्रम की आवश्यकता है जिससे किसानों की समस्या, आवश्यकता तथा उनके नवोन्मेषी विचारों पर शोध हो तथा टिकाऊ समाधान सृजित हो। डॉ. पटैरिया ने अपने व्याख्यान में ग्रास रूट इन्नोवेशन्स को आत्मनिर्भर भारत में महत्वपूर्ण बताया।

डॉ. पाठक ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि आत्मनिर्भर भारत की शुरुआत गाँव से हो। गाँव में व्याप्त खेती किसानी तथा अन्य रोजगारों को आधुनिक तकनीक से जोड़ना होगा तभी देश आत्मनिर्भर हो पाएगा। गन्ना क्षेत्र जो कि देश के लगभग छह करोड़ किसान परिवारों के आर्थिक समृद्धि का मुख्य धारा है, आत्मनिर्भर कृषि में भरपूर योगदान देगा। संस्थान ने इस दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया है तथा मिशन-मोड में चीनी मिल क्षेत्रों में तकनीकों को किसानों तक पहुँचाने के लिए कार्यक्रम चला रहा है।

डॉ. साह ने कृषि क्षेत्र में आर्टीफीसियल इनटेलीजेंस, डीजीटलाइजेशन, ड्रोन, नैनो उर्वरक, प्रिशिजन एग्री इत्यादि के प्रयोग को तीव्र कृषि विकास के लिए आवश्यक बताया जो देश को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। भारत सरकार के महात्वाकांक्षी योजनाएँ जैसे फसल बीजा योजना, मृदा स्वास्थ कार्ड, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना, इत्यादि आत्मनिर्भता में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिकों- डॉ. संगीता श्रीवास्तव, डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला, डॉ. अखिलेश कुमार सिंह, डॉ. महाराम सिंह, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह तथा डॉ. आलोक शिव ने अपने विचार साझा किए।

वेबिनार में विभिन्न संस्थाओं से 100 से ज्यादा वैज्ञानिकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों तथा कृषकों ने प्रतिभाग किया।

दिनाँक : 01.10.2020

डॉ॰ अजय कुमार साह,
प्रधान वैज्ञानिक, प्रभारी, प्रसार एवं प्रशिक्षण, राजभाषा संयोजक

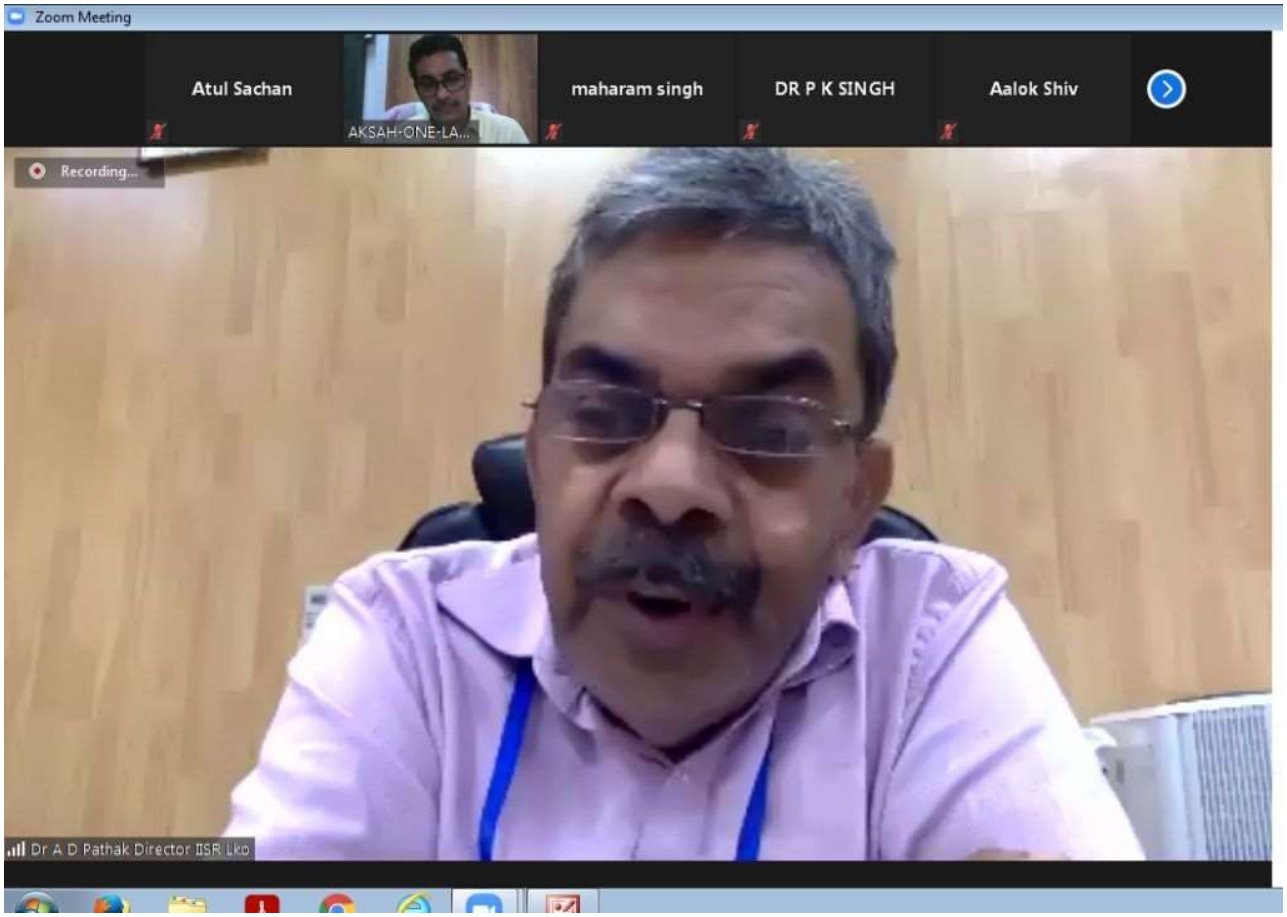
Zoom Meeting
Atul Sachan
AKSAH-ONE-LA...
maharam singh
DR P K SINGH
Aalok Shiv
Recording...
Dr A D Pathak Director IISR Lko

Zoom Meeting
RM CENTRAL...
Dr Sudhir Sh...
Dr A D Pathak D...
Ashish Singh ...
V P JAISAWAL
Recording...
AKSAH-ONE-LAPTOP
Participants (77)
Find a participant
Atul... (Host, me)
Unmute
More
A K Singh
AKSAH-ONE-LAPTOP
91 bn raf
Aalok Shiv
Abhishek Kumar Singh
Aditya Nath Singh Biswan
Administrator
Amrutha Varshini 02
ANIL
Ashish Singh Yadav, IISR, Lko
Ashish Singh Yadav, IISR, Lko
Bhumesh Bagedolla
BLESSY V A
Invite
Mute All
11:23 AM
10/1/2020

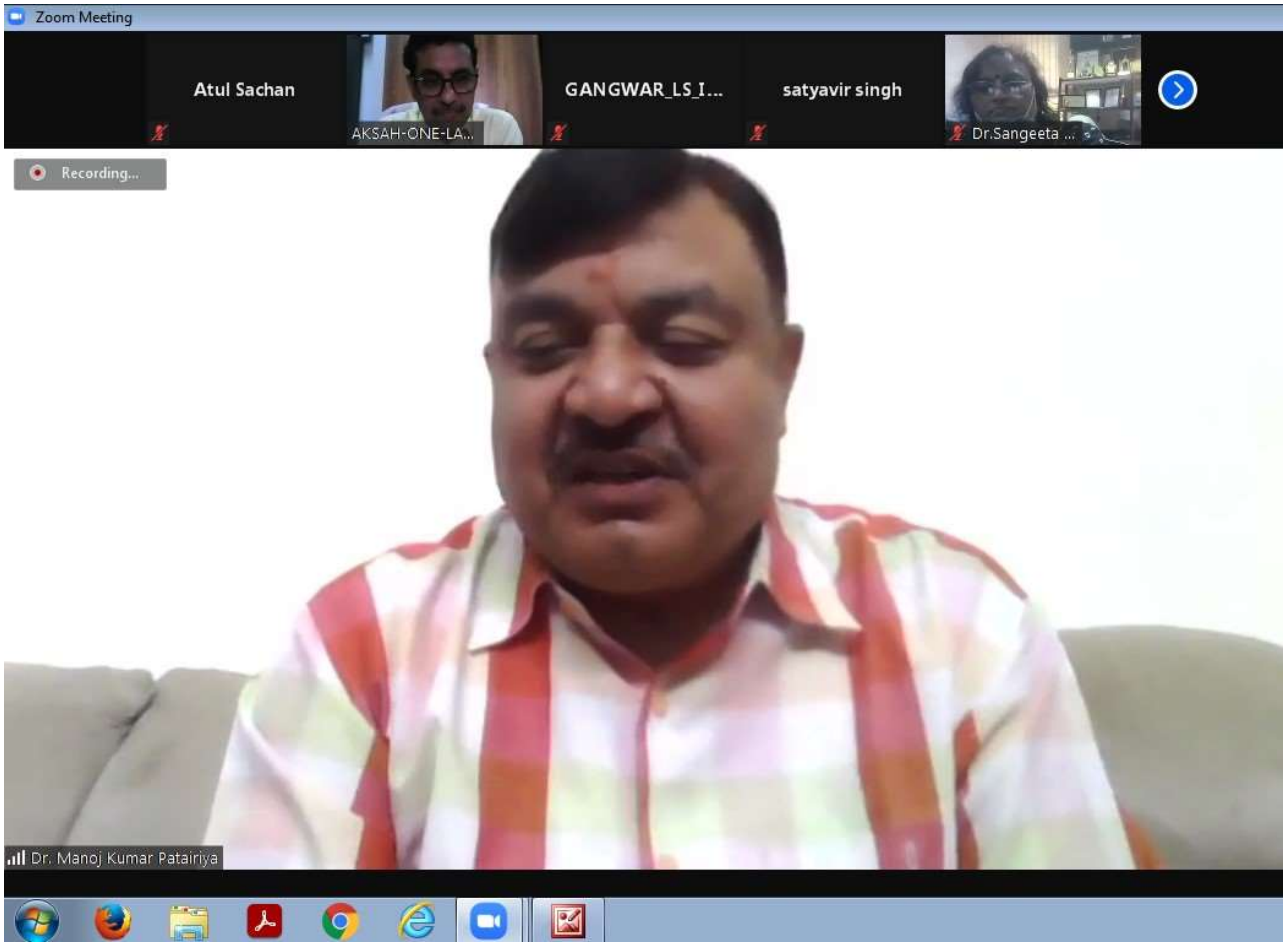
Zoom Meeting
Atul Sachan
AKSAH-ONE-LA...
GANGWAR_LS_I...
satyavir singh
Dr.Sangeeta ...
Recording...
Dr. Manoj Kumar Patairiya